B.A. I

वनस्पति → यहा पाये जाने वाले वृक्षो तथा झाड़ी मे शुल्क ग्रीष्म काल मे अनुकूल के लिए मोटी छाल व गोंददार जड़े पाई जाती है वृक्ष मुख्यत सदाबहार व कठोर लकडी वाले होते है

इसमे - जैतुन ओक चीड फर अंजीर कार्क आदि सम्मीलित है आस्ट्रेलिया मे यूकेलिप्टस प्रमुख वृक्ष है विभिन्न प्रकार के झाड भी यहां वडी संख्या मे मिलते है

प्राणी → यहां हिरण - खरगोश गुआनो सॉप आदी वन्य प्राणियो के आलावा अंगोरा वकरी मेरिनो प्रकार के झाड भी यहां वडी संख्या मे मिलते है।

मानव → यहा के प्रकृतिक स्वरूप मे मानव ने काफी परिवर्तन किया है भूमध्य सागर के तटवर्ती भागों मे बडे पैमाने पर कृषि भूमि का विस्तार किया गया है

मध्य आक्षांशीय घास भूमि जीवोम स्थीति → मध्य आक्षाशो मे स्थित शीतोष्ण घास के मैदान पृथ्वी के स्थलीय भू भाग का 9 प्रतिशत भाग घेरते है। इसमे मध्य एशिया पूर्वी यूरोप मध्यवर्ती उत्तरी अमेरिका तथा पूर्वी आस्ट्रेलिया सम्मीलित है

जलवायु → यहाँ की जलवायु मे ऋतुओं के अनुसार अत्याधिक भिन्नता पाई जाती है शीत काल काफी ठण्डा होताहै

वर्षा मुख्यतः ग्रीष्म व वसन्त ऋतु मे होती है। वर्षा का औसत 30 लेकर 60 से०मी तक पाया जाता है।

वनस्पति → वनस्पति मे विभिन्न प्रकार की घासो की प्रधानता है। इन घास के मैदानो को मध्य एशिया मे स्टेपीज उत्तरी अमेरिका मे प्रेयरीज अर्जेण्टाइना मे पंपाज दक्षिणी अफ्रीका मे वेल्डस तथा आस्ट्रेलिया मे डाउन्स कहते है। प्रेयरीज की घास लम्बी जबकि स्टेपीज की छोटी है। विभिन्न भागो मे घास के साथ यूकेलिप्टस ओक पाइन मेपल आदि वृक्ष तथा झाड़ियां भी पाई जाती है।

प्राणी → इन घास भूमियो पर वाइसन एण्टीलोप कंगारू हिरण खरगोश भेड़िया सियार लोमड़ी आदि जन्तु बड़ी संख्या मे पाये जाते है।

मानव → आखेट पशुपालन तथा कृषि जैसी गतिविधियों के कारण मानव ने इस जीवोम मे काफी परिवर्तन कर दिया है। अब ये घास भूमियां प्रमुख अन्न उत्पादक क्षेत्रों मे परिवर्तन हो गई है। यह जनसंख्या का घनत्व अधिक नही है।

शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क बंजर क्षेत्र जीवोम →

स्थिति → शुष्क मरुस्थली या बंजर क्षेत्र का विस्तार सभी महाद्वीपों पर पाया जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया